No. of Printed Pages : 5

MHD-4

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एच.डी.-4 : नाटक और अन्य गद्य विधाएँ

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : $3 \times 12 = 36$

   (क) युद्ध क्या गान नहीं है ? रुद्र का शृंगीनाद, भैरवी का तांडव नृत्य और शस्त्रों का वाद्य मिलकर एक भैरव-संगीत की सृष्टि होती है। जीवन के अंतिम

दृश्य को जानत हुए, अपनी आँखों से देखना, जीवन रहस्य के चरम सौंदर्य की नग्न और भयानक वास्तविकता का अनुभव—केवल सच्चे वीर-हृदय को होता है, ध्वंसमयी महामाया प्रकृति का वह निरंतर संगीत है। उसे सुनने के लिए हृदय में साहस और बल एकत्र करो। अत्याचार के श्मशान में ही मंगल का—शिव का, सत्य-सुंदर संगीत का समारंभ होता है।

(ख) हर एक के पास एक-न-एक वजह होती है। इसने इसलिए कहा था। उसने उसलिए कहा था। मैं जानना चाहता हूँ कि मेरी क्या यही हैसियत है इस घर में कि जो जब जिस वजह स जो भी कह दे मैं चुपचाप सुन लिया करूँ ? हर वक्त की धतकार, हर वक्त की कोंच, बस यही कमाई है, यहाँ मेरी इतने सालों की ?

(ग) संस्कृति थी यह एक बूढ़े और अंधे की

जिसकी संतानों ने

महायुद्ध घोषित किए,

जिसके अंधेपन में मर्यादा

गलित अंग वेश्या-सी

प्रजाजनों को भी रोगी बनाती फिरी

उस अंधी संस्कृति,

उस रोगी मर्यादा की

रक्षा हम करते रहे

सत्रह दिन।

(घ) प्रेमी तो प्रेम कर चुका, उसका कोई प्रभाव प्रिय पर पड़े या न पड़े। उसके प्रेम में कोई कसर नहीं। प्रिय यदि उससे प्रेम करके उसकी आत्मा को तुष्ट नहीं करता तो उसमें उसका क्या दोष ? तुष्टि का विधान न होने से प्रेम के स्वरूप की पूर्णता में कोई त्रुटि नहीं आ सकती।

(ङ) श्रद्धेय के भी दर्जे होते हैं। तीसरे दर्जे का श्रद्धेय प्रेरणा नहीं देता। वह शर्म देता है। गांधीजी की बात अलग थी। वे तीसरे को भी पहले दर्जे की महिमा दे देते थे। हम तो पहले दर्जे में बैठकर भी तीसरे की हीनता अनुभव करते हैं। संत और बुद्धिजीवी में यही फर्क है।

2. आधुनिक हिंदी नाट्य परम्परा में 'अंधेर नगरी' का स्थान निर्धारित कीजिए। 16

3. 'स्कंदगुप्त' नाटक का रंगमंचीय संभावनाओं की दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए। 16

4. 'अंधायुग' की पौराणिकता में निहित समकालीनता का विवेचन कीजिए। 16

5. 'आधे-अधूरे' के कथ्य और नाट्य शिल्प में निहित प्रयोगशीलता का मूल्यांकन कीजिए। 16

6. 'कुटज' निबंध के आधार पर हजारीप्रसाद द्विवेदी के ललित निबंधों की विशेषताएँ बताइए। 16

7. असंगत नाटक को परिभाषित करते हुए 'ताँबे के कीड़े' का विश्लेषण कीजिए। 16

8. जीवनी साहित्य की दृष्टि से 'कलम का सिपाही' का मूल्यांकन कीजिए। 16

9. मोहन राकेश के नाट्य संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए। 16

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

$2 \times 8 = 16$

(क) नुक्कड़ नाटक 'औरत'

(ख) 'अंधायुग' के प्रमुख चरित्र

(ग) 'वसंत के अग्रदूत' में निराला

(घ) 'अदम्य जीवन' की मूल संवेदना